CBSE Class 8 Social Science Important Questions History Chapter 3 ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
बंगाल का दीवान बनने के बाद कम्पनी की क्या कोशिश थी?
उत्तर:
कम्पनी की कोशिश थी कि वह ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्राप्त करे तथा कम से कम कीमत पर बढ़िया सूती और रेशमी कपड़ा ख़रीदे।

प्रश्न 2.
कंपनी द्वारा दीवानी प्राप्त करने के बाद कारीगर गाँव छोड़कर क्यों भागने लगे?
उत्तर:
क्योंकि उन्हें अपने उत्पादों को बहुत कम कीमतों पर कंपनी को बेचने के लिए मजबूर किया जाता था।

प्रश्न 3.
स्थायी बंदोबस्त की शुरुआत कब और कहाँ की गई?
उत्तर:
स्थायी बंदोबस्त की शुरुआत बंगाल प्रांत में सन् 1793 में की गई।

प्रश्न 4.
स्थायी बंदोबस्त से कंपनी को क्या लाभ था?
उत्तर:
इसके द्वारा कंपनी के लिए एक निश्चित राजस्व राशि की नियमित आपूर्ति की जा सकती थी।

प्रश्न 5.
बंगाल प्रांत के उत्तर-पश्चिमी भाग में किस तरह की राजस्व व्यवस्था लागू की गई?
उत्तर:
महालवारी व्यवस्था।

प्रश्न 6.
महालवारी व्यवस्था की शुरुआत किसने की?
उत्तर:
होल्ट मैकेंजी ने।

प्रश्न 7.
रैयतवारी व्यवस्था की शुरुआत किस क्षेत्र में हुई?
उत्तर:
दक्षिण भारत में।

प्रश्न 8.
महाल से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
ब्रिटिश राजस्व दस्तावेजों में महाल एक राजस्व इकाई थी। यह एक गाँव या गाँवों का एक समूह होती थी।

प्रश्न 9.
नील की खेती के लिए कौन-सी जलवायु उपयुक्त होती है?
उत्तर:
उष्णकटिबंधीय जलवायु।

प्रश्न 10.
यूरोप में नील के पौधे की जगह किस अन्य पौधे की खेती की जाती थी?
उत्तर:
वोड के पौधे की।

प्रश्न 11.
वोड के पौधे की खेती के लिए कौन-सी जलवायु उपयुक्त होती है?
उत्तर:
शीतोष्ण जलवायु।

प्रश्न 12.
वोड की खेती की जाने वाले कुछ क्षेत्रों के नाम बताइए।
उत्तर:
उत्तरी इटली, दक्षिणी फ्रांस और जर्मनी एवं ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में वोड की खेती की जाती थी।

प्रश्न 13.
रंगसाज नील को वरीयता क्यों देते थे?
उत्तर:
क्योंकि नील से बहुत चमकदार नीला रंग प्राप्त होता था जबकि वोड से प्राप्त होने वाला रंग बेजान तथा फीका होता था।

प्रश्न 14.
बंगाल में नील विद्रोह कब हुआ?
उत्तर:
बंगाल में नील विद्रोह सन् 1859 में हुआ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
नील आयोग का गठन क्यों किया गया?
उत्तर:
नील उत्पादन की संपूर्ण व्यवस्था की जाँच करने के लिए नील आयोग का गठन किया गया।

प्रश्न 16.
नील आयोग ने क्या रिपोर्ट दी?
उत्तर:
नील आयोग ने बागान मालिकों को दोषी पाया तथा नील मजदूरों पर अत्याचार करने के लिए उनकी आलोचना की।

प्रश्न 17.
बंगाल में नील विद्रोह के पश्चात् बागान मालिकों ने किस क्षेत्र में नील की खेती को फैलाया?
उत्तर:
बंगाल में नील विद्रोह के पश्चात् नील की खेती को बिहार में फैलाया गया।

प्रश्न 18.
बीघा से क्या आशय है?
उत्तर:
यह जमीन की एक माप है। बंगाल में अंग्रेजों ने इसका क्षेत्रफल लगभग एक-तिहाई एकड़ तय किया था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
बंगाल की अर्थव्यवस्था किस प्रकार एक गहरे संकट में फंसती जा रही थी?
उत्तर:

- बंगाल की दीवानी मिलने के बाद कम्पनी ने ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्राप्ति हेतु भारी-भरकम लगान लगा दिये।
- किसान अपना लगान नहीं चुका पा रहे थे। इससे खेती चौपट होने लगी थी।
- कारीगरों को बहुत कम कीमत पर अपनी चीजें कम्पनी को जबरन बेचनी पड़ती थीं। इससे उनका उत्पादन गिर रहा था तथा वे गाँव छोड़कर भाग रहे थे।
- अब बंगाल में निर्यात के बदले ब्रिटेन से सोना-चांदी आना बन्द हो गया था।

प्रश्न 2.
मुनरो ने दक्षिण भारत के लिए रैयतवारी व्यवस्था का चुनाव क्यों किया ?
उत्तर:

- मुनरो को लगता था कि दक्षिण में परंपरागत जमींदार नहीं थे।
- वहाँ पर काश्तकार ही कई पीढ़ियों से जमीन पर खेती करते चले आ रहे थे। अतः मुनरो ने सीधे काश्तकारों से अनुबंध करने की बात सोची। अतः उसने वहाँ के लिए रैयतवारी व्यवस्था का चुनाव किया।

प्रश्न 3.
अठारहवीं सदी के अंत तक भारतीय नील की माँग में क्यों वृद्धि हुई?
उत्तर:

- भारतीय नील की किस्म अच्छी थी। इससे चमकदार नीला रंग मिलता था।
- इस समय तक ब्रिटेन में औद्योगीकरण का दौर शुरू हो चुका था।
- ब्रिटेन में कपास के उत्पादन में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई।
- इससे कपड़े को रंगने के लिए रंगों की माँग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई।
- उस दौरान वेस्टइंडीज तथा अमेरिका से नील की आपूर्ति अनेक कारणों से बन्द हो गई थी।

प्रश्न 4.
अंग्रेजों ने नील की खेती को किस तरह एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक अवसर के रूप में देखा, समझाइये।
उत्तर:

- नील के व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ ही कंपनी के वाणिज्यिक एजेंटों तथा अधिकारियों ने नील उत्पादन में निवेश करना शुरू कर दिया।
- अनेक अधिकारियों ने कंपनी में अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया तथा अपने नील के व्यापार की देखभाल करने लगे।
- स्कॉटलैण्ड तथा इंग्लैण्ड के अनेक लोग भारत आये। जिनके पास नील उत्पादन के लिए पूँजी नहीं थी उन्हें कंपनी तथा बैंकों से ऋण दिया जाने लगा।

प्रश्न 5.
नील आयोग की रिपोर्ट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
उत्तर:

- नील आयोग ने बागान मालिकों को किसानों के उत्पीड़न तथा दमन का दोषी पाया।
- नील आयोग ने यह घोषणा की कि नील की खेती किसी भी तरह से किसानों के लिए लाभप्रद नहीं थी।
- इस आयोग ने रैयतों से अपने वर्तमान अनुबंधों को पूरा करने को कहा। साथ ही, कहा कि वे भविष्य में ऐसा कोई अनुबंध करने से मना कर सकते हैं।

प्रश्न 6.
कैरीबियाई द्वीपों में नील की खेती ठप्प क्यों हो गई?
उत्तर:
कैरीबियाई द्वीपों में निम्न घटनाओं की वजह से नील की खेती ठप्प हो गई-

- यहाँ के बागानों में काम करने वाले अफ्रीकी गुलामों ने 1791 में बगावत कर दी।
- उन्होंने बागान जला डाले तथा अपने धनी मालिकों को मार डाला।
- 1792 में फ्रांसीसी सरकार ने अपने उपनिवेशों में दास प्रथा समाप्त कर दी जिससे मजदूरों की कमी हो गई।

https://www.evidyarthi.in/